970/960

राष्ट्रीय सहारा
पृ. 12
07-07-2015

इस हफ्ते बारिश हुई तो खेत उगलेंगे सोना

▶ फसल को बचानें के लिए इस हफ्ते अच्छी बारिश की जरूरत ▶ दलहन, तिलहन व कपास की फसल को चाहिए पर्याप्त पानी

नई दिल्ली (भाषा)। देश के मध्य और दक्षिणी इलाके में दाल, तिलहन और कपास की फसल को बचाने के लिए इस सप्ताह अच्छी वर्षा की जरूरत होगी। अगर इस हफ्ते पर्याप्त बारिश हो गई तो वह दिन दूर नहीं जब खेत सोना उगलेंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने यह बात कही है।

परिषद ने कहा है कि देश के विभिन्न हिस्सों में खरीफ फसल की बाकी बची 70 प्रतिशत बुवाई पूरी करने के लिए अच्छी बरसात की जरूरत है। जून में मानसून की वर्षा सामान्य से 13 प्रतिशत अधिक रही है। हालांकि, मौसम विभाग ने जुलाई और अगस्त में वर्षा कम रहने का अनुमान व्यक्त किया है। आईसीएआर के उप महानिदेशक (फसल) जे.एस. संधु ने से कहा, 'जून अंत के बाद मौसम सूखा है। पिछले 10 से 15 दिनों में जो फसल बोई गई उसे बचाने के लिए इस सप्ताह काफी वर्षा की जरूरत है।'

उन्होंने कहा कि मध्य और दक्षिण भारत में सोयाबीन, दाल और कपास जैसी फसलें काफी कुछ वर्षा पर निर्भर करती हैं। चालू खरीफ सत्र में इन फसलों के तहत कुल बुवाई के तहत क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हुई है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार तीन जुलाई तक 22.61 लाख हेक्टेयर क्षेत्र पर दालें बोई गई हैं जबकि एक साल पहले इसी अवधि में केवल 9.72 लाख हेक्टेयर क्षेत्र पर ही दाल की बुवाई हुई थी। तिलहन की बुवाई 74.17 लाख हेक्टेयर में हुई जबकि पिछले साल इस अवधि में केवल 14.73 लाख हेक्टेयर में ही तिलहनों की बुवाई हुई। कपास की बुवाई 60.16 लाख हेक्टेयर में हुई जबकि पिछले साल 35.42 लाख हेक्टेयर में ही बुवाई हुई थी। संधु ने कहा कि लंबे समय तक सूखा रहने से इन क्षेत्रों में खरीफ फसल प्रभावित हो सकती है। बहरहाल, अब अच्छी बारिश की उम्मीद है।

सुनीता गुप्ता
नागाड
प्रभारी पत्रिका एवं समाचार पत्र अनुभाग

प्रतिलिपि:-

1. निदेशक कार्यालय
2. निजी सचिव, संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3. निजी सचिव, अधिष्ठाता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)
4. निजी सचिव, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान)
5. प्रभारी, पी-पी-आई
6. प्रभारी, कैट
7. प्रभारी, यू. एस. आई